an>

Title: Need to supply more new currency to cooperative banks and institutions.

***श्री प्रतापराव जाधव (बुलढाणा) :** अध्यक्ष महोदया मैं सरकार का ध्यान इस ओर आकर्षित करना चाहता हूं कि सरकार द्वारा पिछली 8 नवंबर को जो नोटबंदी का निर्णय लिया गया, उसका सभी स्तर से विशेषकर ग्रामीण क्षेत्र के किसानों और मजदूरों ने भी खुलकर स्वागत किया। आज सभी किसानों के 80-90 प्रतिशत बैंक खाते और ऋण खाते सहकारी बैंकों में ही है और इन सहकारी बैंकों, पत संस्थाओं को इस नोटबंदी की योजना में शामिल नहीं किया गया है। उनको रिजर्व बैंक से नए नोट उपलब्ध नहीं कराए जा रहे है या वो नहीं दे पा रहे हैं।

इस कारण ग्रामीण क्षेत्र के सभी किसान और सभी खेतीहर मजदूर बड़ी मुसीबत में फंस गए हैं। राष्ट्रीयकृत बैंकों के द्वारा जो पैसे आवंटित किए जाते हैं वो सभी को नहीं मिल पाते हैं क्योंकि 40-50 गाँवों के लिए एक ही राष्ट्रीयकृत बैंक की शाखा होती है। उसमें भी हर हफ्ते किसानों को 2000 से 3000 रूपये ही मिल पाते हैं इससे ये किसान उनके यहां काम कर रहे मजदूरों को दैनिक मजदूरी नहीं दे पाते हैं। मजदूरी नहीं मिलने से कई गरीब मजदूरों को भूखे मरने की नौबत आई है।

मेरी मांग है कि इन सहकारी बैंकों और संस्थाओं को अविलंब पैसा उपलब्ध कराया जाए जिससे ग्रामीण क्षेत्र में जनजीवन सुचारू रूप से चल सके।

दूसरा महत्वपूर्ण मुद्दा यह है कि हमारे नेता आदरणीय उद्धव ठाकरे जी ने बारंबार किसानों के लिए ऋण माफी किए जाने की मांग की है। अगर केन्द्र सरकार इस मांग को पूरा नहीं कर सकती तो कम से कम किसानों को फसल ऋण चुकाने के लिए इन पुराने 500-1000 रूपए के नोटों को जमा कराने की छूट दी जाए। इससे किसान अपना कर्ज भी चुका सकेगा और इन सहकारी बैंकों की गैर निष्पादनकारी परिसंपत्तियों (एनपीए) में भी भारी कमी आ सकेगी।

अतः आपके माध्यम से मैं सरकार का ध्यान इस ओर ध्यान आकृष्ट कराना चाहता हूं कि ग्रामीण क्षेत्र में गहरी पैठ बना चुके इन सहकारी बैंकों और पत संस्थाओं (क्रेडिट सोसाईटी) को तत्काल धन मुहैया कराया जाए जिससे आने वाले समय में इस निर्णय का खामियाजा केन्द्र सरकार को ना भुगतना पड़े इस बात को ध्यान में रखा जाए। इतना कहकर मैं अपनी बात समाप्त करता हूँ।

माननीय अध्यक्ष:

श्री संजय धोत्रे,

श्री धनंजय महाडीक,

श्री अरविंद सावंत,

श्री विनायक भाऊराव राऊत,

श्री चन्द्रकांत खैरे,

श्रीमती भावना पुंडलिकराव गवली,

श्री श्रीरंग आप्पा बारणे,

डॉ. श्रीकांत एकनाथ शिंदे,

श्री राहुल शेवाले,

प्रो. रविन्द्र विश्वनाथ गायकवाड़ और

श्री भैरों प्रसाद मिश्र को श्री श्री प्रतापराव जाधव द्वारा उठाए गए विषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है।